न्यूज डायरी

पीओके में नीलम–झेलम नदियों पर चीनी बांध बनाए जाने का जोरदार विरोध

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की राजधानी मुजफ्फराबाद में नीलम और झेलम नदियों के ऊपर चीन की मदद से विशाल बांध बनाए जाने का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। सोमवार की रात को बड़ी संख्या में लोगों ने मुजफ्फराबाद शहर के अंदर जोरदार मशाल जुलूस और विरोध मार्च निकाला। ये लोग नारे लगा रहे थे कि नीलम–झेलम पर बांध न बनाओ और हमें जिंदा रहने दो। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इन बांधों से पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचा है। पाकिस्तान में ट्विटर पर हैशटैग #SaveRiversSaveAJK से लगातार लोग ट्वीट करके अपना विरोध जता रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से सवाल किया कि आखिर किस कानून के तहत इस विवादित जमीन पर बांध बनाने के लिए चीन और पाकिस्तान में समझौता हुआ है? उन्होंने कहा कि नदियों पर कब्जा करके पाकिस्तान और चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ट्तावों का उल्लंघन कर रहे हैं।

पाकिस्तानी सेना का दबाव, सऊदी अरब को दी धमकी से पलटे कुरैशी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। कश्मीर को लेकर सऊदी अरब और ओआईसी को धमकी देने वाले पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी अब अपने बयान से पलट गए हैं। कुरैशी ने कहा कि सऊदी अरब और पाकिस्ट्तान के बीच दिलों का रिश्ता है। उन्होंने सऊदी अरब के अपने 3 अरब डॉलर वापस मांगने को भी मीडिया अटकल बताकर खारिज कर दिया। कुरैशी के इस सुर में बदलाव सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा के सऊदी अरब से खाली हाथ लौटने के बाद आया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने दावा किया कि सऊदी अरब के साथ उनके संबंध पहले जैसे ही मजबूत हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कश्मीर पर सऊदी अरब के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने सऊदी अरब के पैसे मांगने के सवाल पर कहा, यह सब अटकल है। इस तरह का कोई फैसला नहीं हुआ है। कुरैशी ने दावा किया कि पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच दिलों का नाता है जिसका उद्देश्य शांति है।

ओली पोप के कंधे का स्कैन होगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) साउथम्पटन। इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप के बायें कंधे का स्कैन कराया जाएगा। वह पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के चौथे दिन क्षेत्ररक्षण करने के दौरान चोटिल हो गये थे। सर्रे के इस 22 वर्षीय बल्लेबाज के इसी कंधे का पिछले साल आपरेशन हुआ था और उन्हें तीन महीने तक बाहर रहना पड़ा था। पोप ने स्टुअर्ट ब्रॉड की गेंद पर चौका रोकने के लिये डाइव लगायी थी और इसके तुरंत बाद उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। उनकी जगह जेम्स ब्रासी ने क्षेत्ररक्षण किया था। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार इंग्लैंड के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड ने कहा, ''उनके कंधे पर फिर से चोट लगी है जिसका स्कैन किया जाएगा और उसी के बाद हम चोट का सही आकलन कर पाएंगे।'' पोप ने इंग्लैंड की पहली पारी में तीन रन बनाये थे। इंग्लैंड ने आठ विकेट पर 583 रन बनाकर पारी समाप्त घोषित की थी। पाकिस्तान की टीम इसके जवाब में 273 रन पर आउट हो गयी और फालोऑन के बाद उसका स्कोर दो विकेट पर 100 रन है।

इराक, सीरिया में आतंकवादी संगठन आईएस के 10,000 से अधिक आतंकवादी सक्रिय

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद विरोधी प्रमुख ने कहा कि आतंकवादी समूह आईएसआईएस को मात देने के दो साल बाद भी उसके करीब 10,000 से अधिक आतंकी इराक और सीरिया में अब भी सक्रिय हैं और इस साल उनके हमले भी बढ़े हैं। व्लादिमीर वोरोनकोव ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि इस्लामिक स्टेट के आतंकी ''दो देशों के बीच छोटी शाखाओं'' में आसानी से आवाजाही करते हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवादी समूह (जो आईएस, आईएसआईएल और आईएसआईएस के नाम से भी पहचाना जाता है) फिर से एकजुट हुआ है और इराक तथा सीरिया जैसे संघर्षरत क्षेत्रों के अलावा कुछ क्षेत्रीय स्थानों पर भी उसकी गतिविधियां बढ़ गई हैं। वोरोनकोव ने कहा, ''हालांकि, ऐसा प्रतीत होता है कि गैर–संघर्ष क्षेत्रों में खतरा कम हुआ है।''

अलग पड़ा पकिस्तान संयुक्त राष्ट्र में बेनकाब

सुरक्षा परिषद में भाषण देने के बारे में बोला झूठ

झूठा बयान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में अलग–थलग पड़े पाकिस्तान ने अपने स्थायी मिशन की वेबसाइट पर एक झूठा बयान डाला है कि उसने सुरक्षा परिषद में भाषण दिया जबकि उसके राजदूत ने आतंकवाद पर कोई भाषण नहीं दिया। पाकिस्तान सोमवार को ऑनलाइन आयोजित वर्चुअल बैठक के लिए वक्ताओं की सूची में भी नहीं था, और न ही बैठक के वीडियो में उसके स्थायी प्रतिनिधि मुनीर अकरम हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के खिलाफ अपने अभियान के लिए समर्थन हासिल करने में नाकाम पाकिस्तान सुरक्षा परिषद के लिए एक गलत रेकॉर्ड बनाने का सहारा लेता मालूम पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र में फर्जी चीजें पेश करना, गलत दावे करना, पाकिस्तान की एक पुरानी रणनीति है। 2017 के महासभा सत्र में, उस समय पाकिस्तान की स्थायी प्रतिनिधि मलीहा लोधी ने गाजा की एक घायल फिलिस्तीनी लड़की की एक तस्वीर दिखाकर दावा किया था कि वह एक कश्मीरी लड़की है।

पाकिस्तान के बड़े झूठ उजागर हुए हैं: भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने कहा, हम यह समझने में विफल हैं कि पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि ने अपना बयान कहां दिया क्योंकि सुरक्षा परिषद का सत्र आज गैर–सदस्यों के लिए खुला नहीं था। फर्जी भाषण में भारत के खिलाफ लगाए गए आरोपों का उल्लेख करते हुए बयान में कहा गया, पाकिस्तान के बड़े झूठ उजागर हुए हैं। अकरम का फर्जी भाषण जो ट्विटर के माध्यम से भी सर्कुलेट हुआ, में कहा गया कि तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान और जमात–उल–अहरार को एक श्भारतीय आतंकी सिंडिकेटश का समर्थन हासिल है और नई दिल्ली भाड़े के आतंकवादियों का इस्तेमाल कर रहा है।

यह बयान एक ऐसे देश से आ रहा है जो सीमा पार आतंकवाद को प्रायोजित करने के लिए जाना जाता है, उसने भारत पर भाड़े के आतंकवादियों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है, जो हास्यास्पद है। अकरम के फर्जी भाषण में चार लोगों को सूचीबद्ध किया गया था जिसमें कहा गया था कि वे भारतीय हैं और उनके नाम संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों के तहत अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में शामिल होने के लिए पेश किए गए थे। भारतीय मिशन ने कहा कि सुरक्षा परिषद की 1267 समिति की सूची, जो प्रतिबंधित अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादियों के बारे में है, यह सार्वजनिक है और इसमें कोई भी भारतीय शामिल नहीं है।

इसने अकरम के उस गलत दावे को भी खारिज कर दिया कि उसने अल कायदा को समाप्त कर दिया है और कहा कि अल कायदा का मारा जा चुका सरगना ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान में स्पष्ट रूप से रह रहा था और खान ने उसे श्शहीदश कहा था। भारतीय मिशन ने बयान में कहा कि पाकिस्तान की अल्पसंख्यक आबादी 1947 के बाद से कम होकर महज 3 प्रतिशत तक रह गई है। 1947 में आजादी के दौरान पाकिस्तान की अल्पसंख्यक आबादी 23 फीसदी थी।

पाक में 40,000 से अधिक आतंकवादी

भारतीय मिशन ने कहा कि समिति सबूतों के आधार पर काम करती है न कि न समय जाया करने और ध्यान हटाने के लिए लगाए गए बिना सोचे–समझे आरोपों के आधार पर। इसने उल्लेख किया कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने पिछले साल महासभा में स्वीकार किया था कि उनके देश के अंदर 40,000 से अधिक आतंकवादी हैं। बयान में कहा गया है कि कई प्रतिबंधित आतंकवादियों और आतंकी सूमहों का पाकिस्तान के अंदर संचालन करना जारी है।

तानाशाह किम जोंग उन कोमा में या मौत? देश में अलर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के सैन्य तानाशाह किम जोंग उन के कोमा में चले जाने की अटकलों के बीच देश में अलर्ट घोषित कर दिया गया है। किम जोंग उन के कोमा में जाने की खबरों को उस समय और हवा मिली जब उत्तर कोरिया ने अपनी वेबसाइट पर स्मोकिंग को लेकर नई सलाह जारी की है। किम जोंग चेन स्मोकर हैं और लोगों को स्मोकिंग को छोड़ने की सलाह दी गई है।

इस बीच यह भी कहा जा रहा है कि किम जोंग उन लंबे समय तक कोमा में रह सकते हैं, इसको देखते हुए उनकी बहन किम यो जोंग के सत्ता पर काबिज होने की अटकलें तेज हो गई हैं।

उधर, विशेशज्ञों ने कहा है कि किम यो जोंग अपने भाई की तरह से बेहद क्रूर तानाशाह हो सकती हैं। उत्तर कोरियाई मामलों के जानकार अमेरिकी सेना के एक रिटायर कर्नल डेविड मैक्सवेल ने कहा, मैंने ऐसा कोई साक्ष्य नहीं देखा है और न ही ऐसे संकेत मिले हैं कि किम यो जोंग कैसे शासन करेंगी लेकिन मेरा मानना है कि वह अपने परिवार की तरह से बेहद क्रूर तरीके से शासन करेंगी।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक यह फसिलटी प्योंगयाग के पास वोलो–री गांव में स्थित है।

रूस में सजी हथियारों की मंडी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रूस। कोरोना वायरस महामारी के बीच रूस में अत्याधुनिक हथियारों का मेला आर्मी शुरू हो गया है। मास्को में 23 से 29 अगस्त तक चलने वाले इस मेले में रूस ने अपने 730 नवीनतम घातक हथियारों और सैन्य साजो सामान को दुनिया के सामने पेश किया है। दुनियाभर से रूसी हथियारों को पाने की चाहत लिए हजारों लोग इस मेले में पहुंच रहे हैं। भारत भी ब्रह्मोस मिसाइल के साथ इस मेले में शामिल हुआ है। रूसी रक्षा मंत्रालय को उम्मीद है कि इस मेले में करीब 15.5 अरब डॉलर के हथियार बेचे जाएंगे। इस मेले में रूस के बेहद घातक टी–90 टैंकों ने अपना शक्ति प्रदर्शन किया। इन टैंकों ने खरीददारों के सामने ही जोरदार गोलाबारी की।

डोनाल्ड ट्रंप समर्थक का हिंदी बोलना पड़ा भारी, राष्ट्रपति को बताया उल्लू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका में इस साल नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए माहौल गरम हो गया है। सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी और विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थक मतदाताओं को लुभाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ट्रंप से लेकर बाइडन के निशाने पर भारतीय मूल के मतदाता हैं जो वहां बड़ी तादाद में मौजूद हैं। इस बीच भारतीय मतदाताओं को अपने पाले में लाने के लिए राजनीतिक विश्लेषक टोमी लाहरेन का वीडियो सोशल मीडिया में चर्चा का विषय बन गया है जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशंसा करते हुए उन्हें उल्लू की तरह से बुद्धिमान बता दिया।

सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी और विपक्षी डेमोक्रेटिक मतदाताओं को लुभाने में लगे हुए हैं

उदारवादी राजनीति का विरोध करने वाली टोमी लाहरेन भारतीय समुदाय को धन्यवाद कहने के लिए एक वीडियो जारी किया। इसमें उन्होंने ट्रंप के अमेरिका के महान बनाने को लेकर प्रयासों की जमकर तारीफ की। इसी दौरान लाहरेन ने हिंदी में कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उल्लू की तरह से बुद्धिमान हैं। उनकी कोशिश थी कि हिंदी बोलकर वह भारतीय मूल के लोगों को अपनी ओर आकर्षिक कर लेंगी लेकिन हुआ इसका उल्टा।

सोशल मीडिया पर जमकर मजाक उड़ रहा: लाहरेन ने गलती से ट्रंप को उल्लू कह दिया। उन्हें इसका भान नहीं था कि भारत में उल्लू शब्द को मूर्खों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। उल्लू शब्द लोगों का मजाक उड़ाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। अब उनका सोशल मीडिया पर जमकर मजाक उड़ रहा है। इस वीडियो को शेयर करने वाले अली असगर ने लिखा, श्मेरे भारतीय मित्रों टोमी लाहरेन ट्रंप को समर्थन देने के लिए आपको धन्यवाद कह रही हैं। अगर आप बुद्धिमान हैं तो इस वीडियो को पूरा देखें।

पत्नी पर सवाल पूछने से भड़के ब्राजील के राष्ट्रपति जैर बोलसोनारो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्रासीलिया। ब्राजील के राष्ट्रपति जैर बोलसोनारो अपनी बीबी मिशेल बोलसोनारो को लेकर पूछे गए एक सवाल पर पत्रकार पर बुरी तरह से भड़क गए। उन्होंने कहा रिपोर्टर से कहा, मैं तुम्हारे मुंह पर घूसा मारना चाहता हूं। दरअसल, पत्रकार ने राष्ट्रपति से उनकी पत्नी के बैंक खाते में हुए भुगतान के बारे में सवाल पूछा था। घूसा मारने की धमकी की यह घटना रविवार की है।

इससे पहले आई रिपोर्टों में दावा किया गया था कि राष्ट्रपति के बेटे के एक सहयोगी ने प्रथम महिला के बैंक खाते में 9 लाख 50 हजार रुपये जमा कराए थे। इस पूरे मामले को लेकर विवाद चल रहा है। राष्ट्रपति ने पत्रकार से कहा, मैं आपके चेहरे पर घूसा मारना चाहता हूं। ओके? राष्ट्रपति के इस बयान के बाद अखबार ने एक बयान जारी करके राष्ट्रपति के व्यवहार की निंदा की। अखबार ने कहा कि उनका रिपोर्टर केवल पेशेवर तरीके से अपना काम कर रहा था। उसने कहा कि राष्ट्रपति का व्यवहार यह दर्शाता है कि वह जनसेवक की जिम्मेदारी को नहीं समझते हैं जो जनता के प्रति जिम्मेदार होता है।